

अंचल अधिकारी का कार्यालय, तोपचौची(धनबाद)

अभिलेख सं० 263(11) / 2016-17

वाद का प्रकार - बिहार(झारखण्ड) भूमि सुधार अधि० 1950 की धारा 4(h) के तहत जाँच एवं कार्रवाई से संबंधित।

18/10/16

पदाधिकारी आदेश

झारखण्ड सरकार के ज्ञापाक 2074/रा० दिनांक 13/05/2016 सहपठित श्री अनुज मुखर्जी निदेशक, भू-अर्जन-सह - विशेष सचिव, रानरव एव भूमि सुधार विभाग का पत्र संख्या- 3 - खा०म०नि० - 119/85/2308/रा० दिनांक 03/09/1985 एव सह-पठित राजरव विभागगीय परिपत्र संख्या - 914/रा० दिनांक 09/12/1998 में निहित निदेश के अनुपालन में गैरमजरूआ खास भूमि की कायम की गयी जमाबंदियों की जाँच प्रारम्भ की गयी। जाँच के क्रम में हल्का राजरव कर्मचारी एव प्र०अ०नि० द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि निम्नांकित विवरणी की भूमि :-

मौजा नामपुरी थाना नं० 58 खाता नं० 150
प्लॉट नं० 83 रकबा 0.06 एकड़ की
भूमि जो गैरमजरूआ खास, अनाबाद बिहार(झारखण्ड) सरकार के खाते की सरकारी भूमि है, जिसकी जमाबंदी उस मौजा के पंजी II के जिल्द सं० के पृष्ठ संख्या 478 पर जमाबंदी रैयत शम विलास प्रसाद के नाम से कायम है।

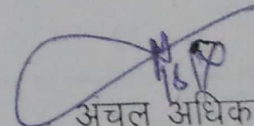
हल्का कर्मचारी एवं प्र०अंचल निरीक्षक द्वारा जाँचोपरान्त उपर्युक्त विवरणी की भूमि के दुरुद्ध कायम जमाबंदी को संदिग्ध प्रतिवेदित किया गया है।

हल्का कर्मचारी एवं प्र०अंचल निरीक्षक द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन से प्रतीत होता है कि उपर्युक्त जमाबंदी बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के/अवैध बंदोबस्ती के आधार पर/अवैध कोडकर बंदोबस्ती के आधार पर/अवैध लगान निर्धारण के आधार पर/सादा हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है, जिसका उद्देश्य निजी लाभ एव राज्य को क्षति कारित करना है।

प्रथम दृष्टया उपर्युक्त से स्पष्ट होता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन की सृजित जमाबंदी अवैध प्रतीत होती है, जिसका बिहार(झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जाँच किया जाना वांछनीय प्रतीत होता है।

अतएव, संबंधित जमाबंदी रैयत को नोटिस निर्गत कर उपर्युक्त भू-खण्ड से संबंधित मूल दस्तावेजों/निर्गत लगान रसीद की मांग करें तथा उनको कारण पृच्छा करें, कि क्यों नहीं उक्त जमाबंदी को अवैध मानते हुए इसे बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत सक्षम प्राधिकार को रद्द करने हेतु अनुशंसित किया जाए।

अभिलेख दिनांक 5/11/16 को उपस्थापित करें।


अंचल अधिकारी,
तोपचौची

1.11.2020

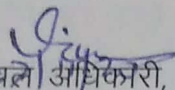
अभिलेख उपस्थापित। राजस्व उप निरीक्षक का प्रतिवेदन अंचल निरीक्षक के माध्यम से प्राप्त। नोटिस का तामिला प्राप्त। नोटिस के आलोक में किसी जमाबंदी रैयत या उनके वंशज द्वारा आपत्ति और ना ही राजस्व कागजात समर्पित करने हेतु समय का मौंग किया गया है। संबंधित राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक के जीध प्रतिवेदन में उल्लेखित है कि मौजा धासुडी मौजा नं० 58 खाता नं० 150

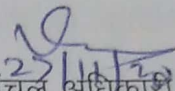
प्लॉट नं० 32 रकबा 0.06 एकड़ से संबंधित है, जो खतियान के अनुसार गैरमजरूआ खाते की भूमि है। जिसका फंजी 11 के जमाबंदी भोलुम नं० के पृष्ठ सं० 478 में रैयत सम विलय

पुनः सा० - धासुडी, तोपचौची के नाम से कायम है। उपरोक्त जमाबंदी के प्रौधिकार कॉलम में, बिना सक्षम प्राधिकार के आदेश के / अवैध लगान निर्धारण के आधार पर / सादा हुकुमनामा के आधार पर कायम की गयी है, जिसका उद्देश्य निजी लाभ एवं राज्य को क्षति कारित करना है।

उपरोक्त प्रतिवेदन के आलोक में स्पष्ट होता है कि आवेदित भूमि की विवरणी की सृजित जमाबंदी अवैध / संदिग्ध प्रतित होता है, जिसका बिहार (झारखण्ड) भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 4(h) के तहत जमाबंदी को अवैध मानते हुए इसे रद्द करने की अनुशंसा किया जाता है। साथ ही, अभिलेख की कार्रवाई को समाप्त किया जाता है। अभिलेख अग्रेतर कार्रवाई हेतु भूमि सुधार, उप समाहर्ता, धनबाद को भेजें।

लेखापित एवं संशोधित।


अंचल अधिकारी,
तोपचौची।


अंचल अधिकारी,
तोपचौची।

बनाम

शूचना

पिता - राज कृष्ण प्रसाद
माता - शिव लोचन प्रसाद
ग्राम - लामुडी पो 0
थाना - जिला - धनबाद।

एतद द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि मौजा लामुडी
थाना नं० 58 खाता नं० 150 प्लॉट नं० 83
रकबा 006 एकड से संबंधित आपके नाम से हल्का नं० II के पत्ती II
भाग के पृष्ठ 478 पर दर्ज जमाबंदी प्रथम दृष्टया राजस्व कर्मचारी ने प्र०अवल
निरीक्षक के माध्यम से जॉचोपरान्त संदिग्ध प्रतिवेदित किया है।

अतएव, आप उक्त संबंध में दिनांक 5/11/16 को समय 11:00 बजे
पूर्वा० में उक्त भूमि का रिटर्न -I, भूमिबंदोबस्ती से संबंधित हुकुमनामा, भूतपूर्व जमींदार द्वारा
निर्गत जमींदारी रसीदों, फार्म M एवं सरकार में जमींदारी निहित होने के बाद सरकार द्वारा
निर्गत राजस्व रसीदों निर्गत परवाना एवं अन्य ठोस साक्ष्यों की मूल प्रति/सत्यापित प्रति जो
आपके उक्त भूमि पर दावे की पुष्टि करता हो, के साथ अघोहस्ताक्षरी के कार्यालय प्रकोष्ठ में
उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

सनद रहे कि अन्यथा कि स्थिति में समझा जायेगा कि उक्त संबंध में आपको
कुछ नहीं कहना है तथा उपलब्ध दस्तावेज/साक्ष्यों के आधार पर समुचित निर्णय पर पहुँचते
हुए दर्ज जमाबंदी के संबंध में युक्ति-युक्त निर्णय लेते हुए विधिसम्मत अनुशंसा कर दी
जायेगी।

इसे सख्त ताकीद जानें।

तिथि - 18/10/16

स्थान - तोपचौंची



अंचल अधिकारी
तोपचौंची
18/10/16

इस पत्र पर स्वोचर्चा कि या गरीब किसान
वकील को दंड सहित चलाकर